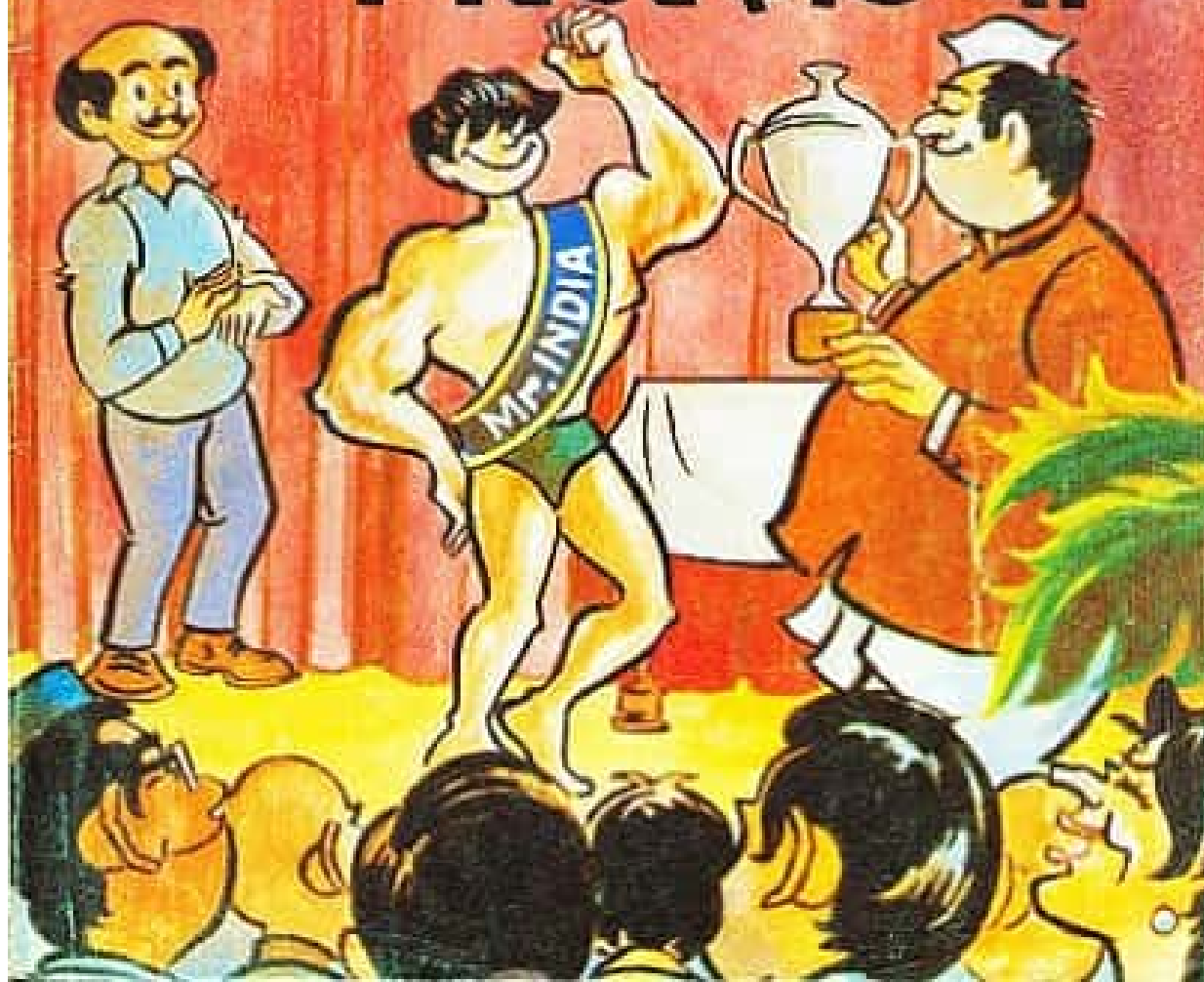




D - 12291

पाठ बिल्लू मिस्टर इंडिया





यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण की विभिन्न रचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म कसूर नामक छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है. विभाजन के बाद उनका परिवार ग्वालियर आकर बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्बई में फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक भिलाप, नई दिल्ली से शुरू हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का पूरे भारत में एकाधिकार था. प्राण ने इस एकाधिपत्य को समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों को लेकर स्थानीय विषयों और समस्याओं पर कॉमिक्स

कार्टूनिस्ट प्राण

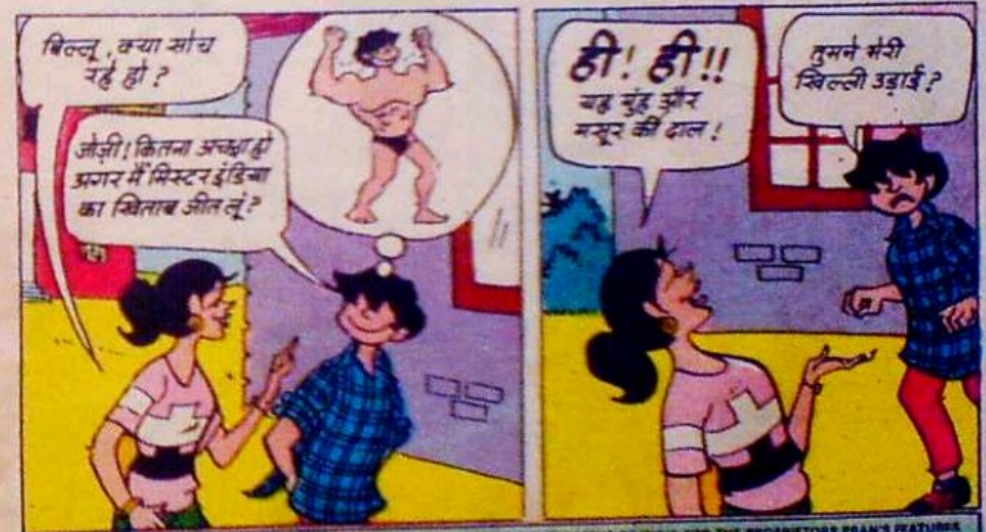
बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी को लेकर 'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रकाशित हो रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी', 'रमन', 'बिल्लू', और 'पिकी', सारे भारत में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आयाम दिया.

1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनाई गई कॉमिक्स 'रमन - हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया. 1982 वर्ष का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

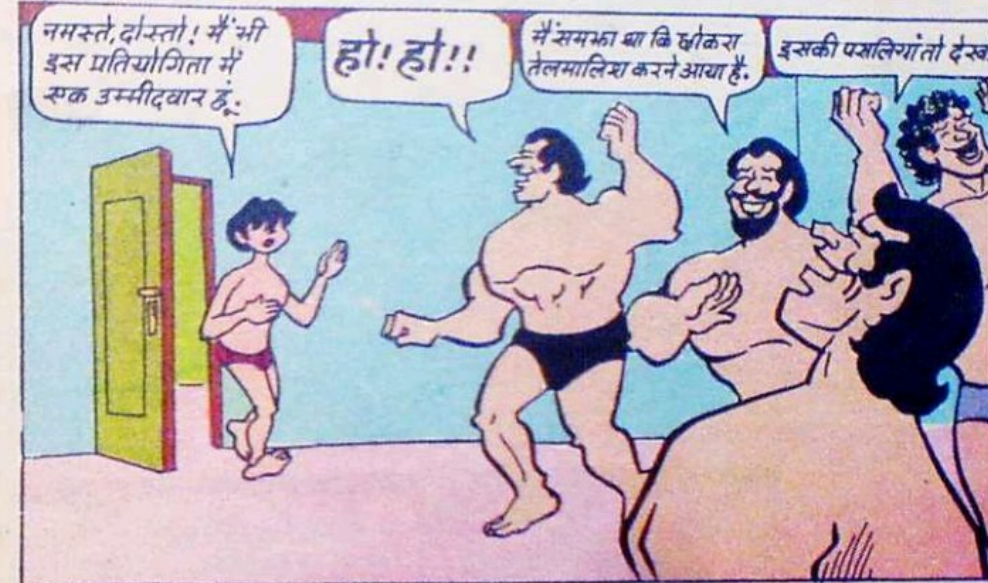
प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - "अगर मैं टैक्स और मंहगाई के बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूँ तो अपने मकसद को सफल समझूँगा".

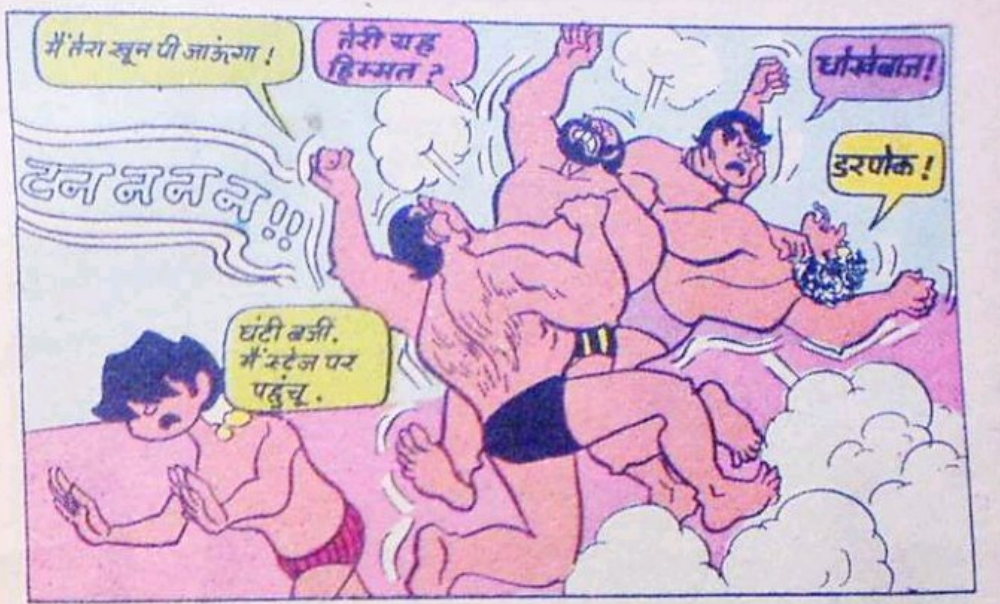
— प्रकाशक



TITLE BILLOO AND THE CHARACTER ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETOR'S PRAN'S FEATURES. NEW DELHI. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMIC. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.









जेबरा



बजरंगी पहलवान! किस सोच विचार में खोये हो ?

मेरी इच्छा पूरी नहीं हो रही.



बिल्लू! मैं सवारी के लिए एक जानवर खरीदना चाहता हूँ. मगर सारा शहर घानने के बावजूद वह नहीं मिला.

पैसा हो तो जो जानवर चाहो मिल सकता है- घोड़ा, ऊँट, हाथी, खच्चर वगैरह.



ठीक है. यह लो पैसे. मुझे यह जानवर चाहिये.

जेबरा?



यह जानवर सिर्फ अफ्रीका के जंगलों में मिलता है.

बजरंगी! तुम्हें यह यहाँ नहीं मिल सकता.



अरर! कुछ समय तो दो!

शब्दों को पूरा करो!



मैं तुम्हें तीन घंटे देता हूँ. जेबरा लेकर मेरे अस्वाड़े पर आ जाना. नाकामयाब होने पर मैं तुम्हारी हड्डियाँ कंकड़ों में बदल दूंगा.



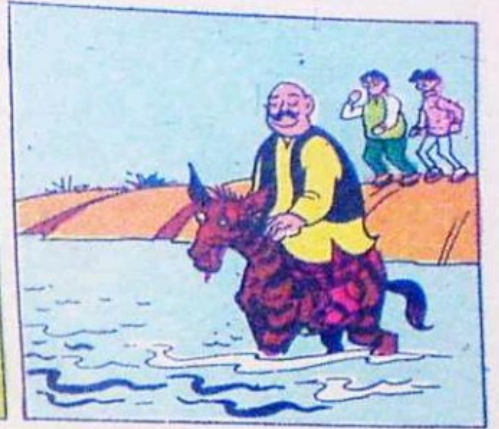
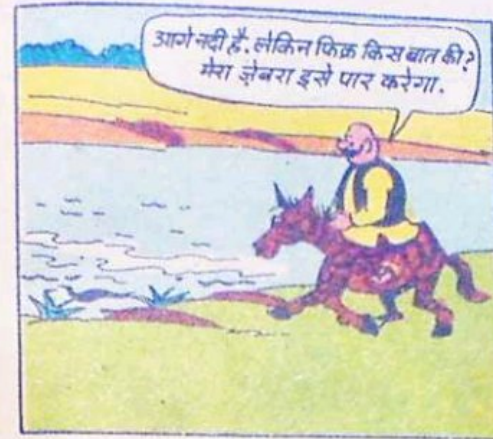
गन्दू! अब क्या किया जाये ?

बजरंगी की मार ध्यान में आते ही मेरा सारा शरीर दर्द करने लगता है.



आइडिया!







प्रोफेसर झाक

ओह ह!

बिल्लू! क्या परेशानी है?

एक प्रश्न हल नहीं हो रहा.

मैंने कई प्रश्न हल किए हैं, जैसे अगर दूध फट जाय तो नींबू डालकर उसका पनीर कैसे बनाया जाय?

ओह ह मम्मी! यह सवाल का सवाल नहीं है. यह रलजेबरा की पेचीदा प्रॉब्लम है. यह तुम्हारे पल्ले नहीं पड़ेगी.

बिल्लू! तुम प्रोफेसर झाक के पास क्यों नहीं जाते, वह तुम्हारी मदद कर सकते हैं.

हां! प्रोफेसर रलजेबरा की उलझन को चुटकियों में निकाल सकते हैं.

देना? आखिर मैं ही तुम्हें रास्ता सुभाया.

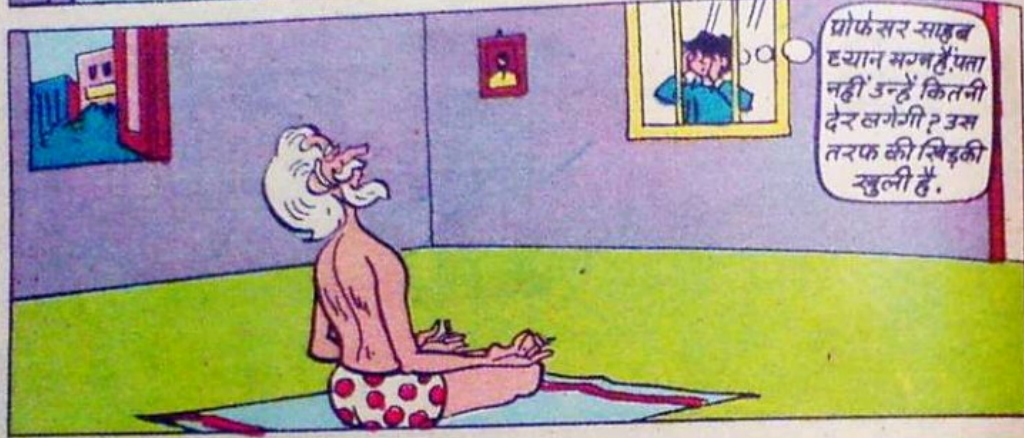
मैं किताब लेकर उन्हीं के पास जाता हूँ.

बिल्लू! कहां जा रहे हो?

एक चमनलाल! मैं प्रोफेसर झाक के पास जा रहा हूँ.

मैं भी उनका इंतजार कर रहा हूँ. उन्होंने मेरे घर पर नाश्ता करने का वायदा किया था.







आह ह!

क्या हुआ ?



मोना : मैंने सपने में देखा कि अपना बेटा बिल्लू मकान की सातवीं मंजिल से गिर पड़ा है.

सपनें झूठे होते हैं.



लेकिन जब तक मैं अपने बेटे का देख न लूं मुझे चैन नहीं मिलेगा.



मैं उसके कमरे में जाता हूँ.



हैं? वह अपने कमरे में नहीं है.



सुबह वह कहाँ गया होगा ?



गम्बू ! तुमने बिल्लू को कहीं देखा है ?

हां, बाड़ी देर पहले मैंने उसे उधर एक मकान से गिरता देखा था.





दान का पैसा

बिल्लू! तुम्हारे हाथ में दस रुपये का नोट ?

यह दान में देने के लिए है, मोचू!



सिटी चैरिटी सोसाइटी ने यह पैसे मुझे दिये हैं ताकि मैं किसी गरीब गरजमंद को दे दूँ.

यह तो नेक काम है.



बोडा मुश्किल सी. इस छोरेबाधडी के जमाने में कभी पैसा गलत हाथों में भी चला जाता है.

इसलिए तुम्हें बुद्धि से काम लेना होगा.



बाबा! भूख गरीब को कुछ मिल जाये? बेटा! दस का नोट कटारे में डालो.



नहीं, तुम हटके कटके हो. काम करके कमा सकते हो. यह रुपये में किसी अपहिज को दूंगे.



तुम्हें क्या हुआ है ?

कह बंचारा गुंगा है और उसके दोनों हाथ कटे हैं.

आऊऊ!



तब तो दस रुपये इसी के कटारे में जानें चाहिये.

आऊऊ!



बापू! देखा मैंने उससे रुपये कैसे हाथिया लिए ?

शाबाश! तुम बड़े होकर कामयाब भिखारी बनोगे.







बकरा फूलपत्ती

मुझे जोड़ी से मिलना है, लेकिन दरवाजे पर कर्नल भी नाट भी हैं, उनको किसी लड़के का अपनी बेटी से मिलना पसंद नहीं।



पिछले दरवाजे से अंदर जाना चाहिए-



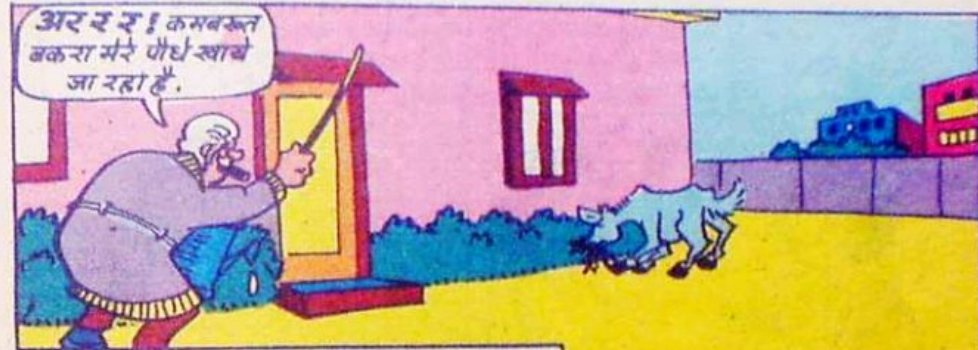
हैं?? पिछले दरवाजे पर जोड़ी की मुस्सैल मम्मी बैठी हैं, वह मुझसे नफरत करती हैं।



आहा! यह कस्तम शायद कुछ काम आ जाये?



भाओ! मामन हरी फूलपत्तियां लगी हैं, उन्हें खाओ!



अर र र! कसबकल बकरा मेरे पौधे खाये जा रहा है।



मैं इसे दूर तक खदेड़ कर आऊंगा।



कर्नल काहूब कस्तम के पीछे गबं, अब मैं अंदर घुस सकता हूँ।







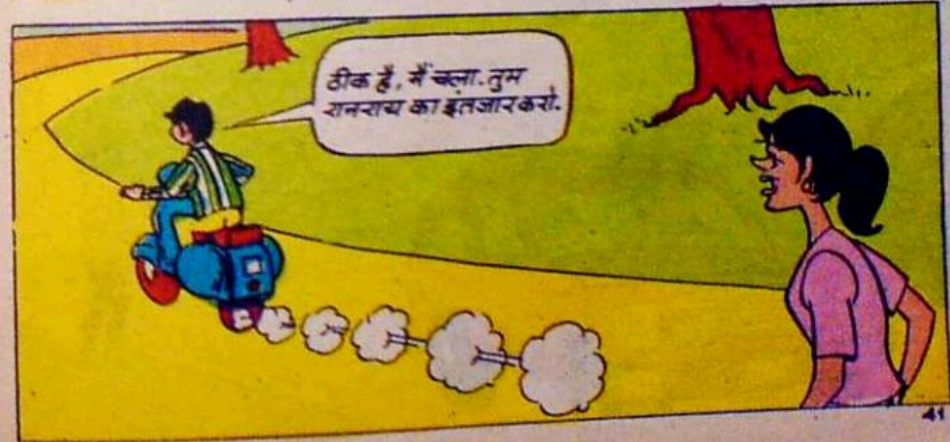




कीमती गाड़ी



© PRAN'S FEATURES









अगर तुम पैसे नहीं दे सकते तो कोई ऐसा अमीर घर बताओ जहां मैं चोरी कर सकूँ.

नहीं! यह मुझसे न होगा.



तो फिर मरने के लिए तैयार हो जाओ!

अररर! रुको! तुम जैसा कहोगे, वैसा करूंगा.



हां, अब तुम्हारा दिमाग ठिकाने आ गया.



क्या वह मकान आसपास ही है?

हां.



वह मकान ऐसा है, जहां तुम्हें चोरी करने से बहुत माल मिलेगा.

बस, काफी है.



ओहहह!



बाऊ! वाऊ!!

बचाओ!!

मुझे पता था कि उस मकान में खुल्खार कुत्ता है!